

अगस्त माह का बिजली बिल— क्या है सच्चाई

जितनी खपत आपने की है, उतने का आपको बिल मिला है

नई दिल्ली : 4 सितंबर, 2009। इन दिनों यह बात जोर-शोर से उठाई जा रही है कि कई उपभोक्ताओं को बढ़े हुए बिजली बिल मिले हैं। बीएसईएस का कहना है कि किसी भी उपभोक्ता को बढ़ा हुआ बिल नहीं मिला है। उन्हें उतनी ही यूनिट का बिल मिला है, जितनी यूनिट की उन्होंने खपत की है।

क्या है, अगस्त माह के बिल की सच्चाई :

तीन फेज मीटरों (11 किलोवॉट व अधिक) वाले घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने बिजली का बिल मिलता है। दरअसल, जुलाई महीने में उन्हें पूरे महीने का बिल नहीं मिला था। सिस्टम ने अलग-अलग उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग बिलिंग डेट चुनने के बजाए, एक ही डेट चुन ली। इस कारण, इन उपभोक्ताओं को जुलाई में पूरे माह का बिल न मिलकर, कुछ ही दिनों का बिल मिला। इसलिए, अब कंपनी ने उन्हें जो बिल भेजा है, वह सिर्फ अगस्त माह का बिल न होकर, जुलाई और अगस्त – दो महीनों का बिल है।

कंपनी का कहना है कि, जुलाई में इन उपभोक्ताओं ने बिल के रूप में जितनी रकम का भुगतान किया था, उस रकम को अगस्त माह के बिल से घटाकर, उसे एडजस्ट कर दिया गया है। यानी, जुलाई में जितने भी दिनों का बिल उन्होंने भुगतान किया था, वह रकम कंपनी ने उन्हें वापस कर दी है।

बीएसईएस अपने इन उपभोक्ताओं से अनुरोध करती है कि वे जुलाई और अगस्त के बिल को अलग-अलग नहीं, बल्कि एकसाथ जोड़कर देखें। उन्हें अहसास हो जाएगा कि उन्हें सही बिल मिला है। साथ ही, इस साल जुलाई व अगस्त में मिले बिल की तुलना पिछले साल जुलाई व अगस्त के बिल के साथ करें।

कितने उपभोक्ताओं के साथ हुई यह समस्या:

करीब 90 हजार थ्री फेज घरेलू उपभोक्ताओं के साथ यह समस्या हुई है। इनमें ज्यादातर दक्षिणी व मध्य दिल्ली में रहते हैं। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस के पास 25 लाख उपभोक्ता हैं। जिन उपभोक्ताओं के साथ यह तकनीकी दिक्कत हुई है, वे बीएसईएस की कुल उपभोक्ता- संख्या का सिर्फ 3 प्रतिशत हैं। यहां यह बताना जरूरी होगा कि आम घरेलू उपभोक्ताओं को उनकी बिलिंग डेट के हिसाब से, सामान्य बिल मिले हैं।

बीएसईएस दे रही है सूचना:

इन 70 हजार उपभोक्ताओं को बीएसईएस आज स्पीड पोस्ट से पत्र भेज रही है, जिसमें उन्हें इस मसले को समझाने की कोशिश की गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर उन्हें इस मसले को समझने में कोई परेशानी है, तो वे अपने इलाके के बिजनेस मैनेजर से संपर्क कर सकते हैं। उनका फोन नंबर बिजली बिल के ऊपर लिखा हुआ है। यदि इसके बाद भी वे संतुष्ट नहीं हैं, तो सीधे बीएसईएस के सीईओ को, उनके ईमेल आईडी ceo@bsedelhi.com पर लिख सकते हैं।

और क्या कारण हैं अधिक बिल मिलने के पीछे:

दिल्ली सरकार की ओर से दी जाने वाली 10 प्रतिशत सब्सिडी खत्म कर दी गई है। साथ ही, प्रति यूनिट 5 पैसे की सब्सिडी भी समाप्त हो गई है। पिछले साल के मुकाबले इस साल तापमान लगातार काफी ज्यादा रहा है। जाहिर है, एसी और फ्रिज के थर्मोस्टेट व कंप्रेसर ने ज्यादा काम किया है, जिस वजह से उनका बिल अधिक आना स्वाभाविक है। अगर एंबिएंट तापमान 10 प्रतिशत भी बढ़ जाए, जो एसी व फ्रिज भारी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं। पिछली गर्मियों में जहां ज्यादातर लोग एसी 25 डिग्री पर चलाते थे, वहीं इन गर्मियों में 18 डिग्री पर चला रहे थे। पिछले साल एक आम परिवार में रोजाना चार- छह घंटे एसी चलता था, वहीं इस साल औसत 12 घंटे एसी चल रहा था।

बीएसईएस की पहल:

तीन फेज वाले घरेलू उपभोक्ताओं की दिक्कतों को देखते हुए कंपनी ने उनके बिल भुगतान की तारीख को आगे बढ़ा दिया है। अब ये उपभोक्ता 18 सितंबर तक भुगतान कर सकते हैं। यदि इस दरम्यान उन्हें कोई डिसकनेक्शन नोटिस मिला है, तो कृपया उसे नजरअंदाज करें।